

22/11/24

पत्रावली पेशा हुड़ी वकील वाही रूपी
वकील वाही को प्रविवाही गिना भी नामिल
पेशा करने हुन यथापि अवसर दिया जा
चुका है, लेकिन यथापि अवसर दिये जाने
के बावजूद भी आज दिनांक तक नामिल भी
रसीद पेशा नहीं। अतः वाही का वाह
अंतर्गत आदेशा परिश्रम के लक्षण खासिल
किया जाता है। पत्रावली के सल सुमार होकर
सम्बन्ध से उम होकर होखिल हफ्तार है।

